श्री गंगा पुनर–अवतरण यज्ञ

आदरणीय महानुभाव,

श्री गंगा हरिस्मरण। आपको विदित है कि भारत देश का जन्म गंगा मा की कोख से हुआ है। पिछले डेड़–दो सौ बरस से – यानि फिरंगी राज के समय से – गंगा माता की हत्या का निरन्तर प्रयास चल रहा है। वर्तमान 'राष्ट्रीय' प्रशासन गंगा माता की अविरलता को अवरूद्ध करने में सफल भी हो गया है।

आज इस विकट राष्ट्रीय संकट की घड़ी में समस्त भारतीय जन का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि येन केन प्रकारेण समस्त शक्ति जुटा कर गंगा माता को मुक्त कराएं। इसी उद्देश्य से अनेक संत ज्ञानियों ने राष्ट्रीय संत महा मंडलेश्वर स्वामी प्रकाशानंद जी महाराज, सिद्ध तांत्रिक स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज एवं साधू श्रेष्ठ श्री आत्मानंद जी (आनन्द वन समाधि) के आशीर्वाद से श्री गंगा का पुनः अवतरण यज्ञ का संकल्प किया है।

आगामी गंगा दशहरा (एक से पन्द्रह जून 2003) के अवसर पर हरिद्वार में, श्री जगत् गुरू आश्रम के तत्वावधान में इस सतत् महायज्ञ की प्रथम आहूति आयोजित की गई है। एक पखवाड़े तक चलने वाले इस यज्ञ में वैदिक प्रणाली एवं हिंदू परम्पराओं के अनुरूप गंगा माता का आध्यात्मिक आवाहन किया जाएगा कि वह पुनः उसी तरह कलकल करती, हंसती खेलती, उछलती कूदती अबाध रूप से गोमुख गंगोत्री से गंगा सागर तक पुनः प्रवाहित हों जैसा कि आदि काल से लेकर कुछ समय पूर्व तक होता रहा है।

हमारा विश्वास है कि पाप नाशिनी, जीवन दायिनी कल्याणकारी गंगा माता जनजन की पुकार सुनेंगी और निज स्वभाव वश समस्त मानव जाति के उद्धार हेतु उसी तरह पुनः अवतरित होंगी जैसी महाराज भगीरथ की तपस्या अराधना से प्रसन्न हो कर हुई थी।

हम कामना करते हैं कि आप इस यज्ञ के दर्शन करें और इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी कर पुण्य लाभ करें। आशा है कि आप इस हेतु पहली जून से पन्द्रह जून 2003 के दौरान हरिद्वार पधार कर इस मानव–कल्याण प्रयोजन में निश्चित ही योगदान करेंगे।

हर हर गंगा, जय जय गंगा।

निवेदक,

गंगा पुनर–अवंतरण यज्ञ समिति

दैनिक कार्यक्रम :

प्रात : 8.00 से 11.00 यज्ञ एवं गंगा जाप सरस्वती

मध्याह्न : 12.00 से 2.00 भण्डारा

संध्या : 5.00 से 9.00 भजन एवं प्रवचन

(उत्तर प्रदेश)

संपर्क सूत्र : स्वामी ब्रह्मा नंद

शमशान घाट–देवी कुण्ड

देव बन्द – सहारनपुर

फोन : 01336–221740

हमारा विश्वास है इस विश्व कल्याण यज्ञ में आप रूचि एवं क्षमता के अनुरूप योगदान करेंगे।